Publication	Hindustan	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	25/01/2023	Page no	13

दिसंबर महीने के दौरान रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई, जनवरी के कर संग्रह में दिखेगा असर

ई-वे बिल दे रहे जीएसटी में तेज उछाल के संकेत

अनुमान

नई दिल्ली, हिन्दुस्तान ब्यूरो। हर महीने जारी होने वाले ई-वे बिल में दिसंबर माह के दौरान रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि माल और सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में जनवरी में तेज उछाल देखने को मिल सकता है।

जीएसटी की जिम्मेदारी संभालने वाली संस्था जीएसटीएन के आंकड़ों के अनुसार दिसंबर में 8.41 करोड़ ई-वे बिल जारी किए गए थे, जबकि सितंबर 2022 में यह आंकड़ा 8.40 करोड़ था। ई-वे बिल की बदौलत सितंबर में 1.52 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह हुआ था।

अक्टूबर-नवंबर में आई थी गिरावट : सितंबर के बाद अक्टूबर और नवंबर में ई-वे बिल में गिरावट देखी गई थी। जानकारों के अनुसार इसका कारण अक्टूबर और नवंबर में लंबी छुट्टियां थी। इसके कारण सामानों की आवाजाही में कमी दर्ज हुई थी। हालांकि, दिसंबर में फिर तेजी आई।

बीते महीने में उत्पादन क्षेत्र में काफी मजबूती आई

ई-वे बिल को आर्थिक गतिविधियों के संकेत के रूप में भी देखा जाता है। परचेज मैनेजर इंडेक्स के अनुसार दिसंबर में उत्पादन क्षेत्र बहुत मजबूत रहा है। एसएंडपी ग्लोबल ने भी 400 कंपनियों का सर्वे कराया था, जिसमें सामने आया है कि दिसंबर में भारतीय उत्पादकों के लिए परिस्थितियों में सुधार हुआ था। दिसंबर में पीएमआई 57.8 पर पहुंच गया था, जो नवंबर में 55.7 था।

8.40 करोड़ ई-वे बिल बने थे सितंबर माह के दौरान

8.41 करोड़ ई-वे बिल बने बीते साल दिसंबर में

1.52 लाख करोड़ का जीएसटी संग्रह था सितंबर में

क्या होता है ई-वे बिल

वस्तुओं की आवाजाही के लिए कंप्यूटर आधारित चालान को ई-वे बिल कहते हैं। एक शहर से दूसरे शहर या राज्य में 50 हजार रुपये से अधिक की वस्तुओं की आवाजाही के लिए ई-वे बिल अनिवार्य है। इसको किसी भी समय कहीं से बैठे ट्रैक किया जा सकता है कि संबंधित वाहन कहां है। इससे कर चोरी पर अंकुश लगने के साथ-साथ परिवहन कंपनियों की लागत भी घटती है।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD